Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : प्रथम
वेदाङ्ग उपनिषद्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. कौत्स मतानुसार "अनर्थका हि मन्त्राः" को सप्रसंग व्याख्या करें।
2. माण्डूक्य उपनिषद् में ईश्वर के स्वरूप को मन्त्रानुसार विस्तृत विवरण द्वारा प्रस्तुत कीजिए।
3. कठोपनिषद् में नचिकेता द्वारा यम से प्राप्त तीन वरों की विवेचना करें।
4. केनोपनिषद् अनुसार ईश्वर को कैसे प्राप्त किया जा सकता है तथा इसकी सप्रमाण व्याख्या करें।
5. निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. निरुक्त उल्लिखित षड्भावविकार किस का कथन है?
2. माण्डूक्य उपनिषद् के किन्हीं दो मन्त्रों को लिखकर व्याख्या करें।
3. "सर्वे वेदा यत् पदमामनन्ति" इस मन्त्र की व्याख्या कठोपनिषद् के अनुसार कीजिए।
4. निरुक्त में कितने अध्याय हैं तथा निरुक्त को वेदाङ्ग क्यों कहा जाता है?
5. "इह चेदवेदीदथ सत्यमस्ति" किस उपनिषद् से है? इस मन्त्र को पूरा कर व्याख्या करें।
6. कठोपनिषद् किस विद्या से सम्बन्धित है इस पर स्पष्टतापूर्ण संक्षिप्त लेख लिखिए।
7. रहस्य विद्या किसे कहते है? रहस्य विद्या के रहस्यों को उद्घाटित कीजिए।

----------X----------